भूगोल :– समकालीन भारत–1

कक्षा– नौवीं

अध्याय–3, अपवाह

याद रखने की बातें :–

1. ''अपवाह'' एक क्षेत्र के नदी तंत्र की व्याख्या के लिए उपयोग होता है।
2. एक नदी तंत्र द्वारा जिस क्षेत्र का जल प्रवाहित होता है उसे अपवाह द्रोणी कहते हैं।
3. गंगा की मुख्य धारा भागीरथी देवप्रयाग में अलकनंदा से मिल जाती है।
4. हरिद्वार में गंगा पहाड़ो को छोड़ कर मैदानी क्षेत्र में प्रवेश करती है।
5. ब्रह्मपुत्र नदी में तिब्बत में गाद कम होती है क्योंकि तिब्बत एक शुष्क तथा शीत क्षेत्र है।
6. प्रायद्वीपीय भारत की मुख्य नदियों में नर्मदा, ताप्ती, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी हैं।
7. भारत का सबसे बड़ा जल प्रपात कर्नाटक में शरावती नदी पर जोग पर प्रपात है इसकी ऊंचाई 255 मीटर है।
8. पृथ्वी के धरातल का 71 प्रतिशत भाग जल से ढका हुआ है लेकिन इसका 97 प्रतिशत जल लवणीय है केवल 3 प्रतिशत भाग ही स्वच्छ जल के रूप में है जिसका 3/4 भाग हिमानी के रूप में है।
9. भारत में मीठे पानी की प्राकृतिक झीलें:– वुलर, डल, भीमताल, नैनीताल, लोकताक तथा बड़ापानी हैं।
10. मानव निर्मित झीलों में गोविन्द सागर, राणा प्रताप सागर, निज़ाम सागर, महत्वपूर्ण हैं।
11. विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा सुंदर वन है, सुन्दर वन डेल्टा का नाम यहाँ पाए जाने वाले सुंदरी के पेड़ के कारण पड़ा है।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. जल विभाजक से क्या अभिप्राय है?
2. दक्षिण गंगा किस नदी को कहते हैं?
3. कौन सी भारत की नदियाँ अरब सागर में गिरती हैं और ज्वारनदमुख का निर्माण करती है।
4. धुआंधार प्रपात किस नदी के द्वारा बनाया जाता हैं?
5. सबसे बड़ी मीठे पानी की झील कौन सी है? तथा यह कहाँ स्थित है?
6. अंतर्देशीय खारे पानी की झील कौन सी है?
7. लैगून किसे कहते हैं?
8. अरब सागर में गिरने वाली भारत की दो नदियों के नाम बताइए?
9. बिहार का शोक किस नदी को कहते हैं?
10. हिमालय से निकलने वाली दो प्रमुख नदियों के नाम बताइए?
11. सिंधु नदी का उद्गम स्थल क्या है?
12. किस स्थान पर गंगा पर्वतीय भाग से मैदानी भाग में प्रवेश करती है।
13. प्रायद्वीपीय उच्चभूमि से आने वाली किन्हीं दो गंगा की सहायक नदी का नाम लिखें।
14. ब्रह्मपुत्र नदी किस राज्य से भारत में प्रवेश करती है?
15. अरूणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र नदी का क्या नाम है?

3/5 अंक वाले प्रश्न :–

1. हिमालय की नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।
2. सिन्धु नदी तंत्र की व्याख्या करें।
3. गंगा नदी तंत्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
4. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
5. झीलें मानव के लिए क्यों महत्वपूर्ण है।
6. नदियों के आर्थिक महत्व की विवेचना कीजिए?
7. नदियों में प्रदूषण के कारणों की समीक्षा करें?
8. लम्बी धारा होने के बावजूद तिब्बत के क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र में कम गाद क्यों होती है?

9. ज्वारनदमुख क्या होते हैं?

10. सहायक नदियों और वितार्निकाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए?

11. नदियों के द्वारा निर्मित विभिन्न अपवाह प्रतिरूपों की व्याख्या कीजिए?

उत्तर मालाः—

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :—

1. पर्वत या उच्च भूमि को पड़ोसी अपवाह द्रोणियों को एक दूसरे से अलग करती है उसे जल विभाजक कहते है।

2. गोदावरी को दक्षिण गंगा कहते हैं

3. नर्मदा तथा ताप्ती

4. धुआंधार प्रपात नर्मदा नदी के द्वारा बनाया जाता है।

5. वुलर झील तथा यह जम्मू एंव कश्मीर में स्थित है।

6. साम्भर झील

7. खारे पानी की झील जो समुद्र से बालू अवरोधों जीवाओं के कारण बनती है।

8. नर्मदा तथा ताप्ती नदियाँ

9. कोसी

10. गंगा और सिन्धु नदियाँ

11. मानसरोवर झील

12. हरिद्वार

13. चंबल, बेतवा,सोन

14. अरूणाचल प्रदेश

15. दिहांग

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :—

1. हिमालय की नदियाँ :—

   i) हिमालय की अधिकतर नदियाँ बारामासी होती है।

   ii) ये नदियाँ अपनी उत्पत्ति से समुद्र तक लम्बा रास्ता पार करती है।

iii) ये अपने बाढ़ वाले मैदानों में बहुत सी निक्षेपण आकृतियों का निर्माण करती है और पूर्ण विकसित डेल्टाओं का भी निर्माण करती है।

iv) गंगा, ब्रह्मपुत्र आदि इसके उदाहरण है।

प्रायद्विपीय नदियाँ :–

i) अधिकतर प्रायद्विपीय नदियाँ मौसमी होती हैं।

ii) प्रायद्वीपीय नदियों की लम्बाई कम होती है और ये छिछली होती है।

iii) बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ डेल्टा बनती है।

iv) महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी इसके उदाहरण है।

2. 1) सिन्धु नदी का उद्‌गम मानसरोवर झील के निकट तिब्बत में है ये नदी पश्चिम की ओर बहती हुई भारत में जम्मू एवं कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में प्रवेश करती है।

2) ज़स्कर, नुबरा, श्योक, हुन्ज़ा, सतलुज, ब्यास, रावी, चेनाब, तथा झेलम इसकी सहायक नदियाँ हैं।

3) सिन्धु नदी का ढाल बहुत धीमा है।

4) इसका एक तिहाई भाग ही भारत के जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, तथा पंजाब में है, शेष पाकिस्तान में है।

5) इस की लम्बाई 2900 कि.मी. है।

3.

– गंगा भारत की सबसे लम्बी नदी है, इसकी लम्बाई 2500 कि.मी. से अधिक है।

– यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी, गंगा की हिमालय की इसकी सहायक नदियाँ हैं जबकि चंबल, सोन, बेतवा प्रायद्विपीय नदियाँ हैं।

– गंगा पूर्व दिशा में फर्रखा तक बहती है और फिर दो भागों में विभाजित हो जाती है एक भागीरथी हुगली जो बंगाल से होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

– दूसरी शाखा बांग्लादेश में जाकर ब्रह्मपुत्र के साथ मिल कर विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा सुंदरवन बनाती है।

– गंगा नदी तंत्र उत्तर के विशाल मैदान के बहुत बड़े भाग को सींचता है।

4.

– ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत के निकट मानसरोवर झील के पूर्व से निकलती है और पूर्व की ओर बहती है।

– इसकी लम्बाई 2900 कि.मी. है। पर इसका अधिकतर भाग भारत से बाहर है।

– नामचा बरुखा शिखर के पास पहुंच कर ये यू अक्षर जैसा मोड़ लेती है और अरुणाचल प्रदेश में एक गौर्ज के माध्यम से प्रवेश करती है।

– दिबांग, लोहित, केनुला, इसकी मुख्य सहायक नदियाँ हैं।

– भारत में असम के मैदान को यह नदी मुख्यतः सींचती है परन्तु वर्षा ऋतु में इसकी बाढ़ असम में अधिक नुकसान करती है।

– असम में इस में गाद बहुत होती है।

5.

– झीलें नदी के बहाव को सुचारू बनाने में सहायक होती है।

– अत्यधिक वर्षा के समय यह बाढ़ को रोकती हैं तथा सूखे के मौसम में ये पानी के बहाव को संतुलित करने में सहायता करती है।

– झीलों का प्रयोग जल विद्युत् उत्पन्न करने में भी किया जा सकता है।

– झीलें आस–पास के क्षेत्रों की जलवायु को सामान्य बनाती है।

– झीलें जलीय पारितंत्र को संतुलित रखती है।

– झीलें पर्यटन को भी बढ़ावा देती है।

6.

– नदियों का जल प्राकृतिक संसाधन है और अनेक मानवीय क्रिया कलापों के लिए है।

– नदियों के तट प्राचीन काल से ही निवास स्थान रहे हैं ये गाँव अब बड़े–बड़े शहर बन चुके हैं जो आर्थिक गतिविधियों का केंद्र हैं।

– सिंचाई, नौसंचालन, जलविद्युत निर्माण में नदियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

7.

– नदी जल की घरेलु, औद्योगिक तथा कृषि में बढ़ती मांग के कारण इसकी गुणवत्ता प्रभावित हुई है।

– उद्योगों के द्वारा अपरिष्कृत कचरे को नदियों में बहा देने से प्रदूषण बढ़ा है।

– शहरीकरण के कारण भी प्रदूषण बढ़ा है।

8. – तिब्बत ठंडा तथा शुष्क क्षेत्र है

– वर्षा कम होने की वजह से इसकी सहायक नदियों में भी जल की मात्रा कम होती है।

– जल कम होने के कारण इसकी अपरदन शक्ति कम है जिसके कारण इसमें गाद की मात्रा कम होती है।

9. जब नदी समुद्र में तीव्र ढाल के साथ गिरती है तो उसकी गति भी तीव्र होती है जिसके कारण उसके मुहाने पर कोई निक्षेपण नहीं हो पाता यही मुहाने ज्वरनदमुख कहलाते है।

10. **सहायक नदी** :–

– वह नदी जो किसी बड़ी नदी में आकर मिल जाती है उसे सहायक नदी कहते है।

– यह नदी मुख्य नदी का जल स्तर बढ़ा देती है और उस के प्रवाह को भी तेज़ कर देती है।

– जैसे यमुना गंगा की सहायक नदी है।

वितार्निका :–

– वह नदी जो किसी नदी से अवरोध के कारण अलग हो कर बहने लगती है वितार्निका कहलाती है।

– यह नदी के जल स्तर को घटा देती है और उसके प्रवाह को भी धीमा कर देती है।

– जैसे हुगली गंगा की वितार्निका है।

11. –– द्रुमाकृतिक प्रतिरूप

–– जालीदार प्रतिरूप

–– आयताकार प्रतिरूप

–– आरीय प्रतिरूप

–– अंतर्देशीय अपवाह प्रतिरूप

कुछ प्रायद्वीपीय नदी द्रोणियो की महत्वपूर्ण जानकारी।

नदी द्रोणी का नाम	उद्गम	लम्बाई	सहायक नदियाँ	द्रोणी क्षेत्र	अन्य विशेषताएँ
नर्मदा द्रोणी	मध्य प्रदेश के निकट अमरकंटक की पहाड़ियों से	1,312 कि. मी.	शक्कर, दुधि, तवा,गंजल आदि	मध्य प्रदेश तथा गुजरात के कुछ भाग	समुद्र तक पहुँचने से पहले जबलपुर के निकट संगमरमर में गोर्ज और धुआंधार प्रपात का निर्माण नदी द्वारा किया जाता है.
तापी द्रोणी	मध्य प्रदेश के बेतुल जिले मैं सतपुड़ा की श्रृंखला से	724	पूर्ण, गिरना,और पंझरा.	मध्य प्रदेश, गुजरात तथा महाराष्ट्र	यह नर्मदा के सामानांतर एक भ्रंश घटी में बहती है.
गोदावरी द्रोणी	महाराष्ट्र के नासिक जिले मैं पश्चिमी घाट की ढालों से निकलती है.	1500 कि. मी.	पूर्ण, वर्धा, प्रहिन्ता, मांजरा, वेनगंगा, पेनगंगा	महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना	यह दक्षिण की सब से लम्बी नदी है इसे दक्षिण गंगा भी कहते हैं.
महानदी द्रोणी	छत्तीसगढ़ की उच्च भूमि	860 कि. मी.	शिवनाथ,मांड,दया आदि	ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखण्ड,	बंगाल की खाड़ी मैं गिरती है.
कृष्णा द्रोणी	महाराष्ट्र के महाबालेश्वर के निकट से	1400 कि. मी.	तुंगभद्र, कोयना, घटप्रभा,मूसी, तथा भीमा	महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश	बंगाल की खाड़ी मैं गिरती है.
कावेरी द्रोणी	पश्चिमी घाट के ब्रह्मगिरी श्रंखला से	760 कि. मी.	अमरावती, भवानी, हेमावती, तथा काबिनी.	तमिलनाडू, केरल, तथा कर्नाटक	कुद्लुर के दक्षिण में बंगाल की खाड़ी मैं गिरती है.

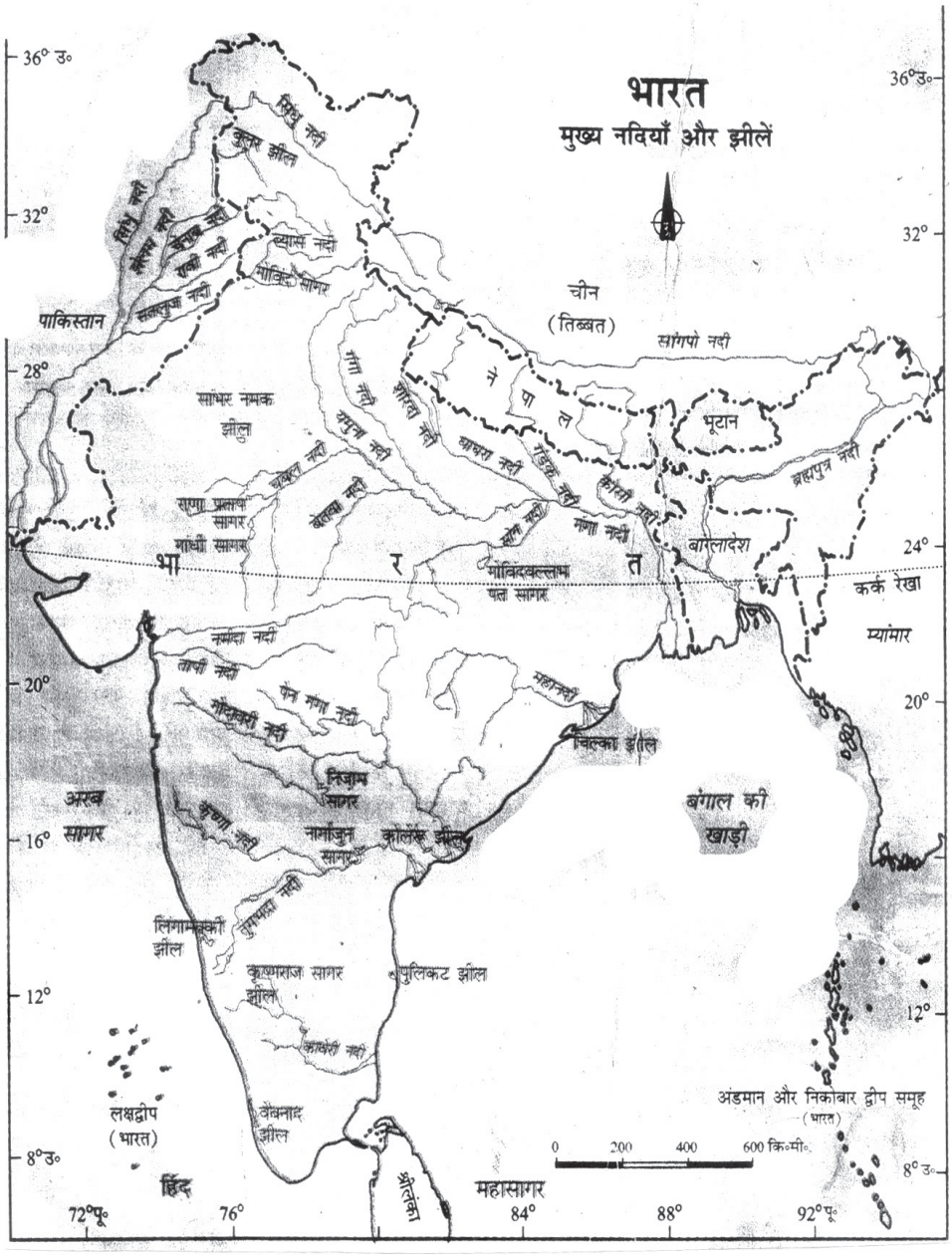

भारत
मुख्य नदियाँ और झीलें
चीन
(तिब्बत)
पाकिस्तान
सांगपो नदी
भूटान
बांग्लादेश
कर्क रेखा
म्यांमार
भा
र
त
ने
पा
ल
सिंधु नदी
वुलर झील
व्यास नदी
गोविंद सागर
सांभर नमक
झील
राणा प्रताप
सागर
गांधी सागर
गंगा नदी
यमुना नदी
घाघरा नदी
कोसी नदी
ब्रह्मपुत्र नदी
गोविंदवल्लभ
पंत सागर
नर्मदा नदी
ताप्ती नदी
पेन गंगा नदी
गोदावरी नदी
महानदी
चिल्का झील
निज़ाम
सागर
अरब
सागर
बंगाल की
खाड़ी
कृष्णा नदी
नागार्जुन
सागर
कोलेरू झील
तुंगभद्रा नदी
लिंगामक्की
झील
कृष्णराज सागर
झील
पुलिकट झील
कावेरी नदी
लक्षद्वीप
(भारत)
वेम्बनाद
झील
श्रीलंका
हिंद
महासागर
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
(भारत)
0
200
400
600 कि॰मी॰
36° उ॰
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8° उ॰
72° पू॰
76°
84°
88°
92° पू॰

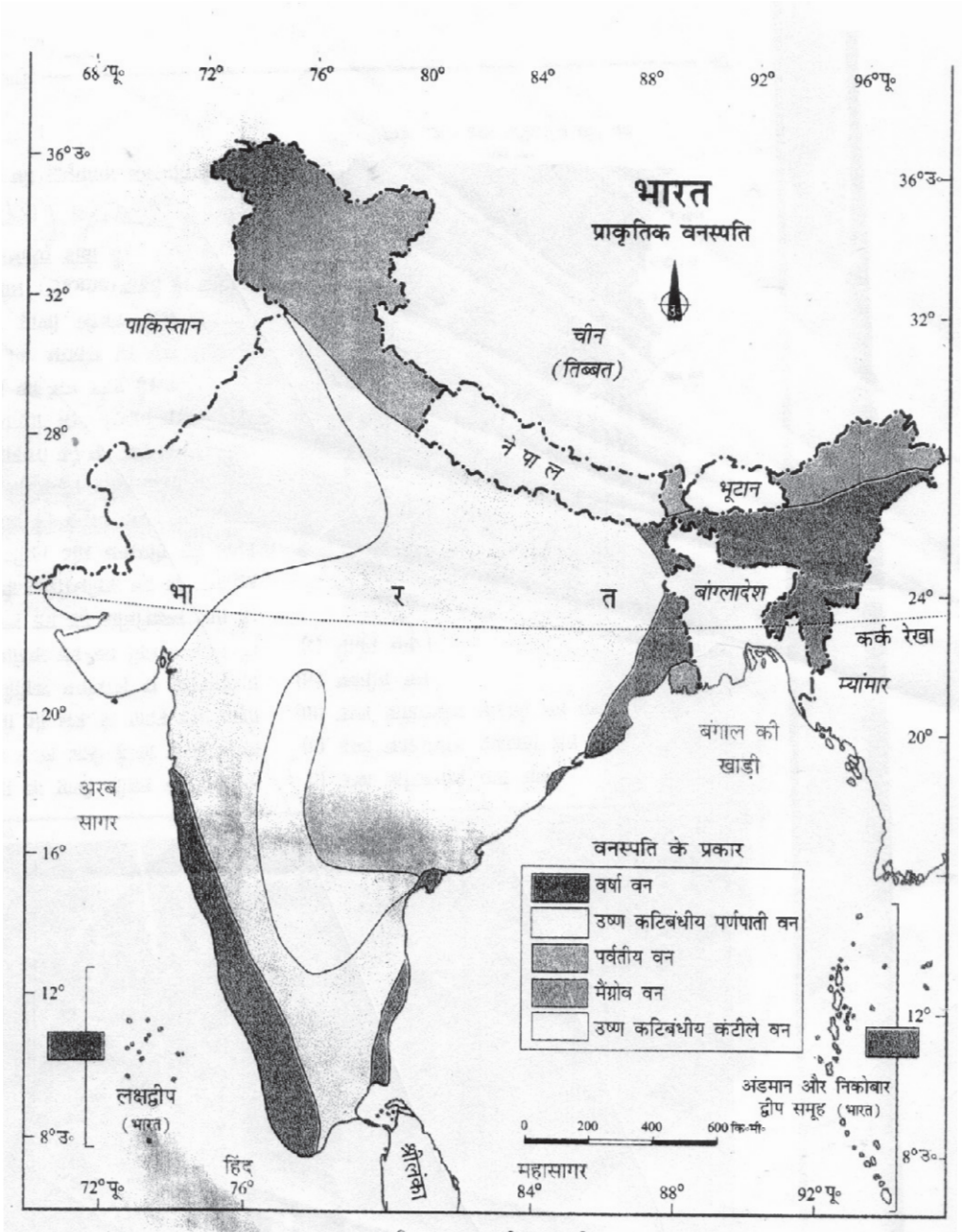

चित्र 5.3 : प्राकृतिक वनस्पति

मानचित्र को देखकर पता लगाए कि कुछ राज्यों में वनों का विस्तार अधिक क्यों है?